दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 25.08.2020

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ

भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने का आधार बनेगी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

वास्तव में शिक्षा प्रणाली में शिक्षा का उद्देश्य चिन्तनशील, चरित्रवान एवं कौशलयुक्त व्यक्तित्व का निर्माण करना है। छात्रों में भारतीयता के भावों को सन्निहित करते हुए विश्व नागरिक तैयार करना ही नई शिक्षा नीति–2020 का विजन है। नई शिक्षा नीति का उद्देश्य वैज्ञानिक चिन्तन युक्त ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है जो भारतीय मूल्यों से सिंचित हों, जिनमें **'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सह नाववतु सह नौ भुनक्तु'** का भाव हो। ऐसे नागरिक का निर्माण करना है जो न केवल विचार, व्यवहार, बुद्धि, मानवाधिकार के विषय में सोचे बल्कि वैश्विक कल्याण हेतु तत्पर हो। बालकों के लिए तनाव रहित, प्रसन्नतापूर्वक, शिक्षा प्राप्त करने हेतु मातृभाषा/स्थानीय/क्षेत्रीय भाषा के माध्यम से शिक्षा प्रदान किया जायेगा साथ ही साथ पाठ्यक्रम को संक्षिप्त करने, बस्ते के बोझ को कम करने के साथ ही विद्यालयों में न्यूनतम मानक निर्धारित किया जायेगा। इसके साथ बाल भवन की स्थापना होगी जहॉ पर विद्यार्थी खेल–खेल में तथा विभिन्न क्रियाओं के द्वारा बिना विषय वस्तु को रटे शिक्षा ग्रहण करेंगे। नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिकता के परिप्रेक्ष्य में तैयार करने में सहायक होगी। विद्यार्थी एक विषय को पढ़ते हुए दूसरे विषय में भी अध्ययन कर सकेगा जो मूल्य आधारित होगा। इसके साथ ही ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल साक्षरता एवं व्यवहारिक/व्यावसायिक कौशलो पर भी जोर दिया जायेगा। सामाजिक, आर्थिक रूप से वंचित विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता एवं छात्रवृत्ति प्रदान किया जायेगा। राष्ट्रीय स्तर पर सीनियर अध्यापकों के द्वारा अध्यापकों को समय–समय पर परामर्श भी दिया जायेगा। कृषि शिक्षा के अन्तर्गत विद्यार्थियों का अपनी मिट्टी से जुड़ाव होगा और जब मिट्टी से जुड़ाव होगा तो यह भारत माता से जुड़ाव होगा। इस प्रकार यदि देखा जाये तो नई शिक्षा नीति–2020 भारत की शिक्षा को गति प्रदान करते हुए पुनः विश्वगुरू के रूप में स्थापित करेगी।

नई शिक्षा नीति हमें मैकाले द्वारा हम पर थोपी गयी **'सा विद्या या नियुक्तये'** से मुक्त कर हमारे प्राचीन मूल्य **'सा विद्या या विमुक्तये'** से जोड़ने की ओर प्रेरित करती है। उक्त कथन युगपुरूष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 51वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के छठीं पुण्य तिथि वर्ष की पावन स्मृति में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर द्वारा आयोजित सप्तदिवसीय ऑनलाइन व्याख्यानमाला के छठें दिवस पर प्रोफेसर कल्पलता पाण्डेय, कुलपति, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 विषय पर अपने उद्बोधन में व्यक्त किया।

उद्बोधन के पश्चात कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा शिक्षण संस्थाओं की स्वायत्तता, मातृभाषा मे शिक्षा देने, बस्ते के बोझ, वर्तमान शिक्षा नीति तथा नई शिक्षा नीति में अन्तर, चरित्र निर्माण, शुल्क नियंत्रण, क्रेडिट बैंक, शोध गहन एवं शिक्षण गहन विश्वविद्यालय आदि से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न डॉ. अमरनाथ तिवारी, डॉ. नित्यानन्द श्रीवास्तव, डॉ.वीणा गोपाल मिश्रा, डॉ. नीरज सिंह, डॉ. कमलेश कुमार मौर्य, डॉ. पीयूष सिंह तथा डॉ. सुभाष चन्द्र द्वारा पूछे गये।

प्रतिभागियो के द्वारा उठायी गयी जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए मुख्य वक्ता ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को क्रियान्वित करने में कठिनाई आने पर उसकी समय–समय पर क्रमबद्ध समीक्षा करने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के पॉच स्तम्भों–'सब तक पहुॅच', 'भागीदारी', 'गुणवत्ता', 'किफायत' तथा 'जबाबदेही' की चर्चा करते हुए स्कूली शिक्षा के नये ढ़ाचें (5+3+3+4) की चर्चा करते हुए चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम तथा नेशनल रिसर्च फाउण्डेशन के महत्व को भी रेखांकित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया तथा स्वागत एवं प्रस्ताविकी डॉ. शुभ्रा श्रीवास्तव एवं आभार ज्ञापन श्रीमती निधि राय तथा संचालन डॉ.सुभाष चन्द्र ने किया। कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग डॉ. अमरनाथ तिवारी व डॉ.पवन कुमार पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. राजशरण शाही ने किया।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी,सूचना एवं जनसम्पर्क